अनुभव | by Sudarshan Kumar

सुनी सुनाई बात नहीं अपना अनुभव बतलाता हूँ
जबसे जुड़ा हूँ इस दरबार से बैठा मौज उड़ाता हूँ

किस्मत वाला हूँ मुझको इतना प्यारा दरबार मिला
मैंने जब जब जो भी माँगा मुझको तो हर बार मिला
मैंने सब कुछ यहीं से पाया इसीलिए गुण गाता हूँ
जबसे जुड़ा हूँ इस दरबार से बैठा मौज उड़ाता हूँ

सच्ची श्रद्धा लेकर जो भी इस दरबार में आता है
खाली झोली लेकर आता झोली भर कर जाता है
यहाँ का झाड़ा रोग मिटाये दिल की बात बताता हूँ
जबसे जुड़ा हूँ इस दरबार से बैठा मौज उड़ाता हूँ

भेदभाव यहाँ कुछ नहीं चलता सबको बराबर मान मिला
मुझको तो औकात से बढ़कर यहाँ मान सम्मान मिला
अंबरीश की पहचान यही है सबको आज बताता हूँ
जबसे जुड़ा हूँ इस दरबार से बैठा मौज उड़ाता हूँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%85%e0%a4%a8%e0%a5%81%e0%a4%ad%e0%a4%b5-by-sudarshan-kumar/